जॉन रॉल्स JOHN RAWLS

1921 – 2002

प्रमुख ग्रंथ – 1. THEORY OF JUSTICE 1971.
• JUSTICE AS FAIRNESS 2001

न्याय सिद्धांत – रॉल्स अपने न्याय सिद्धांत के लिए प्रसिद्ध हैं। इनको इस बात का श्रेय भी जाता है कि इन्होंने न्याय सिद्धांत, पुनर्व्याख्या से राजनीतिक सिद्धांत की पुनर्स्थापना की।

उद्देश्य – Rawls के Theory of Justice का मौलिक उद्देश्य था तत्कालीन अमेरिका ~~[illegible]~~ में पूंजीवाद और स्वतंत्रता के असमान का अन्यायपूर्ण वितरण/ न्यायपूर्ण सिद्ध करना और इसे एक दार्शनिक आधार प्रदान करना।

सिद्धांत – Rawls न्याय की एक 'उदारवादी समतावादी' संकल्पना प्रस्तुत करते हैं। इन्होंने उदारवाद में "समानता" और "नैतिकता" के आयाम जोड़ कर उसे और स्पष्ट बनाया। वह न्याय के एक नैतिक सिद्धांत बताते हैं। रॉल्स ने Hobbes Lock. रूसो के समझौतावाद को पुनः स्थापित किया तथा वे एक काल्पनिक स्थिति की कल्पना की। जिसे वह मूल स्थिति कहते हैं।

मूलस्थिति – ORIGINAL POSITION – Rawls के अनुसार 'न्याय' का प्रश्न ही तब उठता होता है जब स्थितियां अन्यायपूर्ण होती हैं। लोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता से अधिक की भावी वस्तुओं, सम्पत्ति, आय, शक्ति, साधन, स्वतंत्रता, सत्ता व जिम्मेदारी आदि के लिए चिंतित रहते हैं कि तब प्रति अन्यायपूर्ण स्थितियों से बचने के लिए न्याय की शरण में जाते हैं। लेकिन यह न्याय कैसे स्थापित होगा?

Rawls के अनुसार यदि लोगों को यह विश्वास हो जाए कि "विशेष और सामान्य परिस्थिति" में साधन और शक्ति का असमान स्वेच्छा का वितरण अन्यायपूर्ण नहीं है, तो लोगों में समझौता हो सकता है। लेकिन अधिकांश लोग एक VEIL of IGNORANCE अज्ञानता के नकाब के पीछे रहते हैं जिससे वे [illegible] हो जाते हैं लेकिन इसके बाद भी लोगों में Rationality विवेकशीलता होती है।

Dr. S.HUSAIN

जिससे लोग यह जान जाते हैं कि, "पूँजीवाद और संभाव्यता का अन्यायपूर्ण वितरण भी न्यायपूर्ण है यदि इससे अधिकांश लोगों को लाभ हो। अन्यायपूर्ण वितरण न्यायपूर्ण है दो कारणों से है -

1- **सार्वभौमिक स्वतंत्रता का विकास** — सबको समान की स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए। अर्थात अवसर सबके लिए एक जैसे समान होने चाहिए ~~जिससे~~ जिससे व्यक्ति अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकता है।

2- **भेदमूलक सिद्धांत** — सार्वभौमिक ~~समानता~~ स्वतंत्रता और अवसर की समानता से सामाजिक, आर्थिक विषमताएं पैदा होंगी। इसलिए यह आवश्यक है कि

(A)- सामाजिक आर्थिक विषमताएं इस प्रकार व्यवस्थित की जाएं कि "इसमें न्यूनतम स्थिति वाले को भी अधिकतम लाभ हो।"

(B) सामाजिक आर्थिक विषमताएं अवसर की उचित समानता के साथ जुड़ी हों।"

Rawls के अनुसार उपरोक्त सिद्धांतों को क्रम में वरीयता में रखा है - सिद्धांत एक को दो पर और दो के B को A वरीयता दी जाएगी।

मूल्यांकन — Rawls के अनुसार एक स्वतंत्र खुले और प्रतियोगी समाज में सामाजिक आर्थिक विषमताएं स्वाभाविक हैं। लेकिन यदि इनसे समाज के बहुसंख्यक भाग को लाभ होता है तो वह न्यायपूर्ण है। इस प्रकार Rawls ने समझौतावाद, उपयोगितावाद और वितरणात्मक न्याय की अवधारणाओं को मिलाकर एक ऐसा न्याय सिद्धांत प्रस्तुत किया है जो स्वतंत्र प्रतियोगी पूंजीवादी समाज की विषमताओं को न्यायपूर्ण सिद्ध कर सके।

गृहकार्य - ASSIGNMENT -

Dr. S.HUSAIN